भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1358

09 फरवरी, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

समेकित चिकित्सा हेतु अनुसंधान

1358. एडवोकेट ए.एम. आरिफ़:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा समेकित चिकित्सा के क्षेत्र में स्वास्थ्य अनुसंधान में सहयोग के लिए कोई ठोस कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि सरकार ने आयुष चिकित्सा पद्धति की आशाजनक चिकित्सा पद्धतियों के साथ राष्ट्रीय महत्व के अभिज्ञात क्षेत्रों/रोग की स्थितियों के सम्बन्ध में संयुक्त रूप से उच्च गुणवत्ता वाले नैदानिक परीक्षण करने का निर्णय लिया है ताकि व्यापक स्वीकृति हेतु साक्ष्य प्राप्त किए जा सकें और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि सरकार द्वारा परिकल्पित भारतीय चिकित्सा पद्धतियों और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के बीच सहयोग के विरुद्ध आशंकाएं व्यक्त की गई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर क्या कार्रवाई की गई है; और

(घ) प्रथम चरण में समेकित चिकित्सा के क्षेत्र में स्वास्थ्य अनुसंधान में सहयोग को आरम्भ करने के लिए सरकार द्वारा चिह्नित संस्थानों की सूची का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): आयुष मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के बीच स्वास्थ्य अनुसंधान पर सहयोग को बढ़ावा देने और विकसित करने के उद्देश्य से 11.05.2023 को आयुष मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिससे कि-

i. एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए आयुष मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के बीच सहयोग, अभिसरण और तालमेल के क्षेत्रों का पता लगाया जा सके।
ii. आयुष मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के बीच अनुसंधान क्षमता को सुदृढ़ किया जा सके।

सरकार ने स्वास्थ्य संबंधी अनुसंधान अध्ययनों जैसे सफदरजंग अस्पताल नई दिल्ली में ऑस्टियोआर्थराइटिस (घुटने) के प्रबंधन, हिमाचल प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल (पीएचसी) स्तर पर राष्ट्रीय प्रजनन और बाल स्वास्थ्य सेवाओं, कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम तथा महाराष्ट्र में प्रजनन और बाल स्वास्थ्य, को पूर्ण कर लिया है।

(ख): आयुष मंत्रालय ने अनुसंधान क्षेत्रों जैसे- एनीमिया पर, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) और जनजातीय कार्य मंत्रालय के सहयोग से बहु-केंद्रित नैदानिक परीक्षण और स्वास्थ्य अनुसंधान शुरू किया है।

(ग): आयुष मंत्रालय को आज तक ऐसी कोई आशंकाएं प्राप्त नहीं हुई।

(घ): पहले चरण में, आयुष-आईसीएमआर एडवांस्ड सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव हेल्थ रिसर्च (एआई-एसीआईएचआर) की स्थापना के लिए एकीकृत चिकित्सा के क्षेत्र में स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान में सहयोग और समन्वय को कार्यान्वित करने के लिए सरकार द्वारा देश भर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की पहचान की गई है।

सरकार ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र (सीआईएमआर), इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एवं बाईलरी सांइसेज (आईएलबीएस), राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (एनआईएमएचएएनएस) जैसे राष्ट्रीय ख्याति के संस्थानों में आयुष दवाओं के वैज्ञानिक साक्ष्य सृजन के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण अनुसंधान मॉडल के साथ विभिन्न सहयोगात्मक शोध किए हैं।

*****